हैदराबाद नगर निगम में सारे काम हो रहे हैं ऑनलाइन : महापौर

मेयर ने हैदराबाद से लौट कर वहां के निगम की सराहना की

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जोधपुर. महापौर घनश्याम ओझा का मानना है कि हैदराबाद का नगर निगम बहुत बेहतर स्थिति में है। हैदराबाद में प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली 1500 करोड़ रुपए वार्षिक है, जो नगर निगम की कुल आय का 45 प्रतिशत है। भवन निर्माण अनुमति की वार्षिक आय कुल आय की 30 प्रतिशत है। वहीं भवन में 40 प्रतिशत पार्किंग छोड़ कर कितनी भी एफएआर निशुल्क प्राप्त की जा सकती है।

उन्होंने कट्स इंटरनेशनल व इंजीनिययरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया के तत्वावधान में हैदराबाद सिटी में आयोजित महापौर भ्रमण कार्यक्रम में हिस्सा ले कर लौटने के बाद राजस्थान पत्रिका से बातचीत में यह बात कही। मेयर ने वहां हैदराबाद सिटी के नगर निगम की कार्यप्रणाली समझी।

मेयर ने बताया कि भवन स्वीकृति से विचलन होने पर वहां बिल्डिंग परमिशन लॉ (बी.पी.एल) के तहत उसका नियमितिकरण स्व-निर्धारण के तहत किया जा सकता

हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद जोधपुर महापौर ओझा व अन्य।

है। इसके अलावा हैदराबाद नगर निगम को विज्ञापन से 100 करोड़ वार्षिक और अन्य करों से 1000 करोड़ रुपए वार्षिक आय होती है।

महापौर ने बताया कि हैदराबाद नगर निगम पूरी तरह से कम्प्यूटराइज्ड है। नगर निगम के सारे काम ऑनलाइन हो रहे है। वहां के महापौर बोटू राममोहन, उप महापौर बाबा फसुद्दीन व आयुक्त जनार्दन रेड्डी ने बताया कि वे निगम से संबंधित सभी कार्य 24 घंटे किसी भी समय निगम से बाहर होते हुए भी ऑनलाइन करते है।

महापौर ने बताया कि घर-घर कचरा संग्रहण के लिए पूरे शहर में 1800 टैक्सी कार्यरत है। प्रतिदिन 5000 टन कचरा इकट्ठा कर प्रॉसेसिंग यार्ड में पहुंचाया जाता है, जहां से कचरे से कम्पोज और आरडीएफ निर्मित होता है जो सीमेंट फैक्ट्री के लिए उपयोगी है। शहर का गंदा पानी रिचार्ज कर के ट्रीट किया जाता है और इसका प्लान्टेशन में उपयोग किया जाता है। शहर की सफाई और कचरा एकत्रित करने के लिए लगभग 25000 सफाईकर्मी कार्यरत है, जिसमें से लगभग 21000 संवेदक के माध्यम से नियुक्त है। इन सभी को नगर निगम सीधे भुगतान करता है।कार्यक्रम में नगर निगम भरतपुर के महापौर शिवसिंह भोट, उप महापौर इन्द्रजीत सिंह, जयपुर नगर निगम के उप महापौर मनोज भाखाज, अजमेर नगर निगम के उप महापौर सम्पत सांखला, कट्स इन्टरनेशनल के अधिकारी जॉर्ज कोरियन, अमरदीपसिंह, मधुसूदन शर्मा और स्थानीय निकाय निदेशालय के ओमप्रकाश कल्ला भी मौजूद थे।